

चिकित्सा मंत्री शर्मा का निरीक्षण
जवाहिर अस्पताल की
व्यवस्थाएं होगी चाक चौबंद



जैसलमेर, 31 जनवरी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने गुरुवार प्रातः जिला अस्पताल श्रीजवाहिर चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं का सम्पूर्ण जायजा लिया। उन्होंने जिला चिकित्सालय में स्वाईन फ्लू की रोकथाम को किए गये प्रबंधों की समीक्षा की।

चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा ने चिकित्सालय के बाहरी परिसर के क्षेत्र एवं अंदर की ओर स्थित सभी वार्डों भ्रमण कर पूरी व्यवस्थाओं को बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल की सफाई व्यवस्था समुचित ढंग से नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे अस्पताल की सफाई व्यवस्था में ओर अधिक बेहतरीन सुधार लाने के लिए कड़े कदम उठाए एवं श्रीजवाहिर चिकित्सालय एकदम स्वच्छ एवं चमकता हुआ नजर आवें तथा यहां आने वाले मरीज व उनके परिजन इस सफाई व्यवस्था की तारीफ करें। निरीक्षण के दौरान जैसलमेर विधायक रूपाराम धनदेव, जिला प्रमुख श्रीमती अंजना मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख अब्दुल्ला फकीर, समाजसेवी गोविन्द भार्गव, विकास व्यास, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी श्रीमती उषा दुगड, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एल.बुनकर मौजूद थे।

चिकित्सा मंत्री शर्मा ने चिकित्सालय में बनाए गए स्वाईन फ्लू के आईसोलेटेड वार्ड का निरीक्षण किया तथा स्वाईन फ्लू से निपटने को किए गए चिकित्सा प्रबंधों की समीक्षा की। उन्होंने स्वाईन फ्लू की स्क्रीनिंग व्यवस्था की जांच की। साथ ही चिकित्सालय में ट्रोमा सेन्टर तथा मातृ एवं शिशु चिकित्सा केन्द्र का भी निरीक्षण किया। वहां मौजूद चिकित्सकों से मरीजों के बारे में पूछताछ की एवं भ्रमण कर मरीजों की कुशलक्षेम पूछी।

उन्होंने सफाई एवं शौचालयों की सफाई व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि वे एक सामान्य आदेश जारी कर वार्ड के चिकित्सक प्रभारी एवं एनएनएम को पाबंद करें कि वे राउण्ड में आते ही सबसे पहले मरीजों को वार्ड में सफाई रखने के लिए संदेश देते हुए सफाई के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखे उसकी पूरी जानकारी दें ताकि उनकी नियमित प्रेरणा से वार्डों में सफाई व्यवस्था में आशातीत सुधार आवें। उन्होंने मरीजों को बेहतर निःशुल्क सुविधा का लाभ देने के भी निर्देश दिए वहीं मरीजों से भी उनको मिल रही चिकित्सा सुविधा का फीडबैक लिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा वितरण केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा दवाइयों के वितरण की व्यवस्था को परखा। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क सभी 275 दवाईयां स्टोर में उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टॉक में उपलब्ध दवाइयों की जानकारी ली तथा प्रतिदिन वितरित दवाइयों का इन्द्राज कम्प्यूटर में करने के निर्देश दिए। साथ ही चिकित्सकों को पाबंद किया कि वे बाहर की दवाईयां तथा जांचें नहीं लिखें। उन्होंने आउटडोर में मरीजों को कतारबद्ध कर चेक करने के लिए चिकित्सकों को पाबंद किया। साथ ही प्रतिदिन के मरीजों की संख्या का ब्यौरा रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निःशुल्क जांच व्यवस्था की भी जानकारी ली तथा प्रतिदिन आने वाले मरीजों को निःशुल्क जांच करने के निर्देश दिए। चिकित्सा मंत्री ने ट्रौमा सेन्टर का भी निरीक्षण किया तथा यहां प्रत्येक समय आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध रखवाने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रौमा सेन्टर के ऑपरेशन थियेटर का निरीक्षण किया एवं इसे दुरस्त करने के निर्देश दिए।

चिकित्सा मंत्री शर्मा ने जिला चिकित्सालय में कार्यरत प्रतिदिन उपलब्ध चिकित्सकों की जानकारी के लिए अलग-अलग फ्लैक्स लगवाने को कहा। साथ ही पर्ची रजिस्ट्रेशन कक्ष पर पर्ची जारी करने के साथ ही किस चिकित्सक को बताना है व उसके कक्ष संख्या का भी विवरण देने को कहा। साथ ही उन्होंने एमसीएच में भी 24 घण्टे पर्ची काउण्टर स्थापित करने को कहा एवं यहां आने वाले मरीजों की सोनोग्राफी भी एमसीएच में ही करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सालय में होने वाली निःशुल्क जांचों तथा उपलब्ध निःशुल्क दवाइयों की सूची अस्पताल में अलग-अलग स्थानों पर फ्लैक्स लगवाकर चस्पा करने के निर्देश दिए।

इस दौरान विधायक रूपाराम धनदेव ने जिला चिकित्सालय में रिक्तियों की स्थिति तथा स्थानीय आवश्यकताओं से अवगत कराया, जिस पर चिकित्सा मंत्री ने अतिशीघ्र समाधान का आशवासन दिया।

-----000-----

स्वाइन फ्लू रोग के उपचार के पुख्ता प्रबंध हो-चिकित्सा मंत्री डॉ. शर्मा

चिकित्सा मंत्री ने ली चिकित्सा अधिकारियों की बैठक, दिए निर्देश

जैसलमेर, 31 जनवरी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, आयुर्वेद तथा जनसम्पर्क मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार स्वाइन फ्लू रोग के उपचार के लिए कारगर व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि स्वाइन फ्लू रोग के उपचार के लिए सभी चिकित्सकों को प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके साथ ही सभी जिला मुख्यालयों पर जांच केन्द्र खोले जाकर जांच की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि स्वाइन फ्लू पोजिटिव होना चुनौती है मगर यह लाईलाज नहीं है तथा इससे बचाव के लिए अवेयरनेस बहुत जरूरी है।

जनजागरूक कार्यक्रम पर विशेष जोर दें

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. शर्मा गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित चिकित्सा अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जैसलमेर विधायक रूपाराम धनदेव, जिला प्रमुख श्रीमती अंजना मेघवाल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर वीरेन्द्र कुमार वर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामेश्वर मीणा, उपखण्ड अधिकारी विकास राजपुरोहित के साथ ही जिले के चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे। चिकित्सा मंत्री ने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्वाइन फ्लू के प्रति सजग रहें एवं रोगी के लक्षण पाते ही उपचार समय पर सुनिश्चित कर दें। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि वे सभी विद्यालयों में चिकित्सकों को भेजकर स्वाइन फ्लू रोग के संबंध में जागरूक कार्यक्रम चलावें एवं विद्यालय के प्रार्थना सभाओं में इस रोग के लक्षण एवं उपचार के बारे में अवगत करावें ताकि हम इस रोग पर समय रहते नियंत्रण कर सकें।

मरीजों को चिकित्सा सेवाओं का पूरा लाभ प्रदान करें

चिकित्सा मंत्री ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर होर्डिंग्स लगाकर उस पर स्वाइन फ्लू रोग के लक्षण एवं उपचार के संबंध में पोस्टर डिस्प्ले करावें साथ ही सभी चिकित्सकों को यह हिदायत दी कि वे मरीज को बाहर की दवाई एवं जांच के लिए पर्ची नहीं

लिखें एवं निःशुल्क दवा एवं जांच की सुविधा चिकित्सालय में उपलब्ध है उसका पूरा लाभ मरीजों को प्रदान करें। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि जो चिकित्सक बाहर की दवा एवं जांच लिखेगा उसके खिलाफ अवश्य ही कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि चिकित्सालय में जो लपके मरीजों को बाहर की दवाई व जांच के लिए भ्रमित करते हैं उनके खिलाफ भी पुलिस द्वारा कार्यवाही करवाई जायें। उन्होंने कहा कि स्वाइन फ्लू रोग के रोकथाम के लिए दवा की कोई कमी नहीं है बल्कि हमें इस परिस्थिति में सेवा भाव से कार्य कर मरीजों का उपचार करना है।

व्यवहार मधुर रखें

उन्होंने कहा कि चिकित्सक को मरीज भगवान के समान समझता है इसलिए उन्हें अपने व्यवहार में बदलाव लाकर सदैव मरीज के साथ मधुर व्यवहार रखकर उसका उपचार करें ताकि उसकी आधी बीमारी तो डॉक्टर के व्यवहार से ही ठीक हो जायेगी। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जिले की चिकित्सा व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली एवं निर्देश दिए कि वे सभी क्षेत्रों में लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि हासिल करें। उन्होंने यह भी कहा कि जैसलमेर जिला पर्यटन की दृष्टि से विश्व मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है इसलिए हमें जिला अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करानी हैं।

नशा एवं एनीमिया मुक्त अभियान का प्रभावी हो संचालन

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नशा मुक्ति अभियान एवं एनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान की शुरुआत बुधवार से ही पूरे प्रदेश में कर दी गई है। उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों को कहा कि वे इस अभियान का प्रभावी ढंग से संचालन कर जिले को नशा एवं एनीमिया जैसी बुरे व्यसनों व बीमारियों से मुक्त करावें। उन्होंने इसके लिए जनप्रतिनिधियों से भी कहा कि वे इस अभियान के सफल संचालन में पूरा सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सबसे पहले नशा मुक्ति की शुरुआत स्वयं से करें तभी हम इस अभियान में सफल हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही जिला स्तर पर टी.बी अस्पताल में जिला मुख्यालय पर सभी प्रकार की जांच के लिए जांच केन्द्र शुरू कर दिए जायेंगे। उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सकों को स्वाइन फ्लू रोकथाम के लिए अधिक से अधिक लोगों को काढा पिलाने के निर्देश दिए।

जैसलमेर विधायक रूपाराम धनदेव ने चिकित्सा मंत्री को कहा कि यह जिला क्षेत्रफल की दृष्टि से बहुत बड़ा है इसलिए यहां सीमान्त क्षेत्र के गांवों में स्वास्थ्य केन्द्रों में बढ़ोतरी की जावें। उन्होंने इसके साथ ही जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों का पदस्थापन करने एवं रिक्त पदों पर चिकित्सकों एवं एएनएम के पद नई भर्ती में प्राथमिकता से लगाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने चिकित्सकों को भी मधुर व्यवहार के साथ रोगियों का उपचार करने की सलाह दी।

जिला प्रमुख श्रीमती अंजना मेघवाल ने स्वाइन फ्लू के बचाव के लिए सभी चिकित्सकों को अपने-अपने क्षेत्र के लिए सप्ताह में 5 दिन का कार्यक्रम बनाकर विद्यालयों में जागरूक कार्यक्रम संचालित करने एवं प्रार्थना सभाओं में विद्यार्थियों के लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में संदेश देने की आवश्यकता जताई।

अतिरिक्त जिला कलक्टर वीरेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा चिकित्सा अधिकारियों के साथ प्रत्येक सप्ताह सोमवार को बैठक ली जाकर स्वाइन फ्लू रोग के उपचार के संबंध में किए जा रहें प्रबंधन के बारे में जानकारी ली जाती है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि मंत्री जी ने जो दिशा निर्देश प्रदान किए हैं उसकी पालना की जाकर जिले में बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया जायेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एल.बुनकर ने बैठक के दौरान जिले की चिकित्सा प्रबंधन व्यवस्था, स्वाइन फ्लू रोग के संबंध में किए गए उपचार व्यवस्था एवं अन्य चिकित्सा सेवाओं में की गई प्रगति से अवगत कराया। बैठक में प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. उषा दुग्गड, जिला क्षय अधिकारी डॉ. बी.के.बारूपाल, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल.सोनी सहित सभी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।